**Raj Express (Indore), 17th December 2024, Page-05**

आयोजन

## मध्य भारत में पहली बार आईआईटी इंदौर की ओर से 23वां राष्ट्रीय विद्युत प्रणाली सम्मेलन का समापन

# आधुनिक ऊर्जा प्रणालियों की चुनौतियों का समाधान करने पर जोर

● इंदौर/ राज न्यूज नेटवर्क

मध्यभारत में पहली बार आईआईटी इंदौर की ओर से तीन दिवसीय 23 वां राष्ट्रीय विद्युत प्रणाली सम्मेलन (एनपीएससी-2024) आयोजित किया गया। तीन दिवसीय सम्मेलन का समापन सोमवार को हुआ। मध्य भारत में पहली बार आयोजित कार्यक्रम का आयोजन आईआईटी इंदौर और पश्चिम क्षेत्रीय भार प्रेषण केन्द्र (डब्ल्यूआरएलडीसी), ग्रिड कंट्रोलर ऑफ इंडिया लिमिटेड ने मिलकर किया, जो शिक्षा जगत और उद्योग के बीच सहयोगात्मक प्रयास को रेखांकित करता है। आईआईटी इंदौर की आयोजन अध्यक्ष और संकाय सदस्य प्रोफेसर तृप्ति जैन ने आधुनिक ऊर्जा प्रणालियों की चुनौतियों का समाधान करने में सम्मेलन के महत्व पर जोर दिया। वहीं, ग्रिड कंट्रोलर ऑफइंडिया लिमिटेड के अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक एस.आर. नरसिम्हन ने स्थाई ऊर्जा लक्ष्यों को प्राप्त करने में ग्रिड आधुनिकीकरण और नवीकरणीय ऊर्जा एकीकरण की महत्वपूर्ण भूमिका पर बात की।

**मिशन इनोवेशन और ईवी मिशन:** अचिविंग डीकार्बोनाइज्ड, डिजिटलाइज्ड एनर्जी एंड इलेक्ट्रिक ट्रांसपोर्टेशन सिस्टम्स थीम के साथ, एनपीएससी 2024 भारत की रणनीतिक ऊर्जा पहलों के साथ सरेखित है, जिसमें मिशन इनोवेशन और ईवी मिशन शामिल हैं। यह सम्मेलन भारत के जलवायु लक्ष्यों और ऊर्जा अनुकूल रणनीतियों के साथ सरेखित करते हुए कार्बन तटस्थता, डिजिटल बदलाव और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के लिए प्रौद्योगिकियों को आगे बढ़ाने पर केंद्रित है। सम्मेलन की अध्यक्षता आईआईटी कानपुर के प्रोफेसर सुरेश चंद्र श्रीवास्तव ने की, जो पावर सिस्टम के जाने-माने विशेषज्ञ हैं। उन्होंने शोधकर्ताओं, उद्योग के पेशेवरों और नीति निर्माताओं के बीच सहयोग को बढ़ावा देने में आयोजन समिति के प्रयासों की सराहना की।

### सहयोग को दिया बढ़ावा

मुख्य अतिथि, घनश्याम प्रसाद, अध्यक्ष, केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) ने डीकार्बोनाइजेशन और ग्रिड आधुनिकीकरण पर चर्चा को आगे बढ़ाने के लिए सम्मेलन की सराहना की। तीन दिवसीय सम्मेलन में अंतर्राष्ट्रीय वक्ताओं ने मुख्य भाषण, तकनीकी सत्र, कार्यशालाएं और पैनल चर्चाएं शामिल हैं, जिसमें नवीकरणीय ऊर्जा एकीकरण, स्मार्ट ग्रिड, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और पावर सिस्टम रिजिल्यन्स जैसे महत्वपूर्ण विषयों को शामिल किया गया। देशभर से आए प्रतिनिधि ने अत्याधुनिक शोध प्रस्तुत कर सहयोग को बढ़ावा दिया और स्थाई ऊर्जा प्रणालियों के भविष्य को आकार दिया।